भजन

तर्ज–हम तो है परदेस में

अपने रंग मोहल में पिया, हम कितने थे खुशहाल
इश्क रब्द ने अपना कैसा, बना दिया है हाल

1 जिन तनों में नूर तुम्हारा,इश्क तुम्हारा है
एक दिली जहां तुम्हारी,पिया मेरे नूर जमाल

2 कैसा बिछोहा दिया मेरे दूल्हा,भूले अपनी बात
सुध ना रही कछु भी आपकी,हो गए हम बेहाल

3 जब तक ना सुध थी पिया की, ना कोई था दोष
अब ना कोई हो गुनाह जो,करना पड़े मलाल हो